© INTERNATIONAL JOURNAL FOR RESEARCH PUBLICATION & SEMINAR
ISSN: 2276-6848 | Volume: 06 Issue: 01 | March-April 2015

एक रियासत से जिले के स्वरूप में जीन्द

अमनजीत सिंह शोधार्थी, इतिहास विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

वर्तमान में जीन्द हरियाणा प्रान्त का एक जिला मुख्यालय है। जो दिल्ली–फिरोजपुर रेल मार्ग पर दिल्ली से उत्तर–पश्चिम दिशा में 128 किलोमीटर की दुरी पर स्थित है। उसका अक्षांशोय विस्तार 29°3′ उतरी से लेकर 29°51′ उतरी तक व देशान्तरीय विस्तार 75°53′ पूर्वी से 76°47 पूर्वी तक है व इसकी ऊँचाई समुद्र तल से 227 मी. है। इस जिले की उत्तरी सीमा पंजाब राज्य को स्पर्श करती है। इसके पश्चिम में हिसार व फतेहाबाद व दक्षिण में रोहतक तथा पूर्व में कुरुक्षेत्र, पानीपत व सोनीपत जिले के स्पर्श करती है। कुल मिलाकर इसकी सीमा 7 जिलों को स्पर्श करती है और यह हरियाणा का मध्यवर्ती जिला है। और यह सड़क व रेल मार्ग के द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों से जुड़ा हुआ है। इस जिले का क्षेत्रफल 2011 के अनुसार 2736 वर्ग कि.मी. है और क्षेत्रफल के अनुसार यह चौथा बड़ा जिला है। क्षेत्रफल के अनुसार नरवाना तहसील इस जिले की सबस बड़ी तहसील है। तथा अब चार तहसील इस जिले में मौजूद है। (जीन्द, नरवाना, जुलाना, सफीदों) महाभारत व पदमपुराण के अनुसार यह क्षेत्र महाभारत युद्ध की सीमा 48 कोस के अन्तर्गत आता था। इस नगर की स्थापना का सम्बन्ध महाभारत काल से जोड़ा जाता है पाण्डवों ने जयन्ती दवी (विजय की देवी) के सम्मान में इस जगह पर एक मन्दिर का निर्माण करवाया था। उन्होंने कौरवों पर विजय प्राप्त करने के लिए यहां पर पूजा–अर्चना की थी कालान्तर में इसी मन्दिर के आस–पास यह नगर विकसित हुआ। यह मन्दिर आज भी जयन्ती देवी के नाम से जाना जाता है, जो चेतग नहर के किनारे, सूर्य मन्दिर के पास, शहर के उत्तर–पश्चिम में स्थित है। इसी के नाम को जयन्तापुरी,

ISSN : 2278-6848
03
9 772278 684800
© International Journal for Research Publication and Seminar

Note :For Complete paper/article please contact us info@jrps.in

Please don’t forget to mention reference number , volume number, issue number, name of the authors and title of the paper